

3790h- 4291	3790h- 4291	(Sale deed)
LC	LC	(Purchase nine hundred only)
LC	LC	(Seventh part)

Adm.

Attention

92613

Madhusahay

[illegible]

91: 911: 912 ~ 9-93

2189 0703 2117

Alfred
Erige Navarre French
2875153

Madhuri Sahay.

नं० - श्री पुनीत कुमार वाद वदरी - कुहार परलोच वास
 जात - कुहार साकिन मौजा - औरवपुरा भाग - कोरवाली -
 जिला - पटना पेशा - कारदारारी की पुकारदारी

नं० मोर्क अलैह:- श्री- पाण्डेय अंजनी किशोर सहाय पिता का नाम श्री पाण्डेय
 रामचन्द्र सहाय वर्तमान जात - कायस्थ श्री-वास्तव साकिन
 महल्लो को भाग की डाकलाना - कदमकुर्छा शहर पटना
 पेशा - जमींदारी की कारदारारी-

पेज-2

सीमा बरीका:- केवाला बैचला कलानो (Sale deed)

पदाद जरमान:- 1000/00/- जो लो रूपां जिहका कारा जो 840/- लो-गर
 लो रूपां होना है।
 Rupees-Nine thousand only.

सील संप्रमोर्क:- हमारी को तमाकी मवाजी 98 (चौदह) डीलम अराजी जो
 विपरीती मवाजी 5811 (नाबे-चार) कड़ा होना है हरिकपत
 काहल संप्रती कापती वसीजी नकदी वजमे लालाग मौ० 99-10
 भागजुजारी चलायें ~~म~~ शेष कारा मौसलम- होलीग वा
 मौजा - औरवपुरा (Shekh Pichay) प्राने की लूवे भांका -
 फुलवारी भाग 1/2 को दारु भाग - कोरवाली सप रजिस्ट्री
 को पिला - पटना 1 वलीजी को 1/2 को लारा जम्वा को
 को बसरा को की चौदही- वगैरह वजेल दर्ज है

पेज-3

रमाता -	रबररांग	जो- डी -	उत्तर -	दक्षिण -	पुरक -	परिपद
82 -	9884	X-98 -	मामली -	पाण्डेय -	मामली -	शक्ति
(वफागीन) चौदह लो			द्वीपदी -	अजय	द्वीपदी -	पंडीत
पैनालीन			देवी	सांकर सहाय देवी		

नाम नं० डार

1. महमद जहीउल हक { पेलरान महमद
 2. महमद वलीदूल हक { अहुर उल हक
 3. महमद नसीरुल हक पेलर महमद नजीर
 उल हक
- तीनों का तफसील
 बरल एकजोई वजरीप
 महमद जहीउल हक
 मजकुर रंग बाजीदश
 डा - बाजीदश
 पिला - पटना

४. बाबू लाल किसुन सिंह

५. बाबू लाल नहापुर सिंह

दोनों का तफ्तील बाबू एकजोड़ नजरीय बाबू लाल किसुन सिंह नहापुर लालिकन - सागुवा डाकरवाना - दानापुर जिला - परग

न - ४

मजदारी को सराहना वर्जित है।

राज अंग के भवाजी १४ (चौदह) दीसगल अराजी
हकीमत कास्त रैपली जिल्दी खाना को खसरा नम्बर
बगौर पुरी सराहत नजरी उपर में बसी के राजा के बरवाने
न १५ परज है साबिक में अजान जैनु कुम्हार (बाबू
कतरी - कुम्हार सेकुवाहन साबिक - शेरनपुरा जगना - कोलवासी
जिला - परग का भा पानप बह लोहधान अपने
काजीजी को पीपल चला जाया।

मह के भवाजी १४ दीस अराजी कास्त मजदुर को
अपनी जैनु कम्हार मजदुर ने बहसमत खुद नजलत
जोयज अपने नजरीफ सौ १२१ - फतह रजपा में नजरी
कवल न अजलत बसीका उरकी मरकुमे न ३ (लीसरी)
करवरी सन १४३३ ईस्वी अज इवतपाय सन १३४० लगायत
मह जेठ सन १३४३ फसली मँपादी चार साला साथ मजदुरी
के रहन इवली काले काबीज को दखिल गाराना को चुक
बसीका रहन जागा मजदुर नेला रजिस्ट्री उरकी भा इस
नजह कर नजिलमत इसके जैनु कुम्हार के मजदुर के
दिएर बसीका रजिस्ट्री सुदे मरकुमे नजरीय २६ मई सन १३३५
ईस्वी जीहका बसीका २०२६, जिह ४२ को पन्ना १५० न १५२
है नजान को बह मजदुर के नजरी को नजिल कर
दिया। को मजदुर (बहसमत) साबिक बहसमत -
इवतपाय
रहगार अज इवतपाय सन १३४० फसली काबीज को
पीपल चला जाया।

पेज ५

मह के बाद मुगलजी में बाद मुगलजी वही का
 रहन बागा मजकुर जिस वक्त वह बजट अफ अफ
 जर रहन मजकुर जापदास मजकुर वही निपल रहन दा
 वकज को दरपल मजकुर के चला आया। बीजव चैल
 कुहा मजकुर लावारीश बैकुल बास का उपा रह कारण
 जापदास मजकुर का कज्जा दरपल मजकुर जमी दरान
 का वही निपल बकास दुका। लेकी चूके एगो मजकुर
 पर पहले से १२१८ कज्जा दरपल मजकुर का
 वही निपल रहन दा के चला आया को उस वक्त भी था।
 को जर रहन मजकुर मजकुर का एगो मजकुर पर बाकी
 था इस वजह का मजकुर के अगो मजकुर को
 साथ मजकुर के बादोबस दगा भी का दिया। को उस
 वक्त से मजकुर टनीज वही निपल कासका कापनी
 अगो मजकुर पर बीला मजकुर जैरे कापी, के फीपल
 चला आया है को जर मजकुर जमीदारी को
 मजकुर बराब बजो एक एकी फीपी अफ अफ अफ
 आया है

चुं मजकुर को सख्त जलत लपके के बाहे
 एगो जग जरती जापज जैजा बादी लउ ४) - अफ
 लाहक हाल है को बीला मुगलिक जापदास शासन लपका
 का टोका और सके टाजत सदा का गैर उमका है इसीलिए
 मजकुर को दिली एवांस यह उके की भी मुगलिक
 के अगो कास मजकुर को लपके करोब काके जरसक
 से उके सके टाजत सदा का को मुगलिक मजकुर के

पन्ना-६ कहे करोबगी इनके सुगनीय रॉर से चन्द जगह पेंगा
 को बातचीत बिप आवश्यक इहके वेंच की बातचीत
 वजरसक सदा के जो जरसक मोलिक नीरव को जग

नैराश्रित जैना हीव को वासिद है लाख मोर्काले के
कोरु पज किया। के वगज मोर्काले मोर्काले वा
मनमोर्काले को केपला वेंप तहले को लमील कल वगज
को वरक मोर्काले मोर्काले मोर्काले के जर है

लेनावीर मनमोर्काले वहालन लेहत जात को लपान
मरुल को वहुलसुगो होत को हवास बेला जव को
पवाव किसी दुसरो के खुमी को लवाहिस है अपनी हर-
रह के गफा को नुकसान इस वक्त को आइन्हा को वापसी
सिमल को नुककर वनेक जीपन तमाक खुमी को लमाकी
मवाजी मवाजी १४ (मोर्काले) डीसल कल को हडिपन कल
रैपली मजकु को जितुई गराहत जहरी उप में वलीके
राजा के वरपाने म् मुन्दरज है को जितप
माल रपाने वारह वरस से वहुत जचादा ले मनमोर्काले
वहेवीपन मालीक मुस्तफिल बेला शिरफत किसी दुसरो
के को वगजदारवतन डीगो कावीज को पनीपल
चला काला है को जो हर हर के वारदेन को
उकले गुप्त हकीमत से पाव को लाव है उनको म्प
उकले हद्द को हद्द को वकीमत म्दल को वहुत
को लो लपवा वहुत मोर्काले मोर्काले मुन्दले स्वाग म्
के केला २१० किरव वरवंधार

पेज-१ वेचा को नै लालुणी किया को कुल जरीसमत वपक
ऐकल रजिस्ट्री कोका वल रजिस्ट्रींग ऑफिसर माल
को वेचाव पाका वगज को वरवंधार में लपने
को लालुणी को से राजन म्दल को किया।

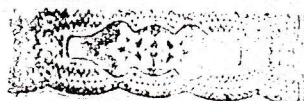
मनमोर्काले ने खरीदार मोर्काले को उपर लेपमोर्काले
के कावीज को पनीपल म्दल। खरीदार को आवादा डीसल

उम्मा की होना के सैंपमोवईया पर काबीज की परीपल
होकर की रहकर बरवाराज नाम मनमोईया के नाम अपना
बसारीसे जमींदारी करज कर लीजें की सैंपमोवईया में जो कुछ
इस्तइफाक मनमोईया की इत तक एक रक संमिल था की
आइन्दह संमिल होना वह एक इस्तइफाक मनमोईया है।
मुनबोल होकर आज के गरीब है खरीदार मौसुड
की संमिल उम्मा की आइन्दह बारसान की कामम मोफामीमान
की उनके संमिल होना अब मनमोईया की रवाह बारसान
की कामम मोफामीमान मनमोईया की कीड़े हलु भा दापी
भा भीगालवा किली किलीम का निस्वत सैंपमोवईया रवाह
बरसान के बाकी गरी- रहा की न आइन्दह होना।

मनमोईया ने खरीदार मौसुड की विश्वास
दिलाया है के सैंपमोवईया हर तरह के बारदेन की
उठले मुक्त हकीमत रवलसान से पाक के बाक है
कही मरफुल भा मरकुल बगैर गरी है की न हकीमत
में मनमोईया के किसी तरह का कीड़े मुक्त भा बवाल
गरी है अगर शायद बाद में गरी

पेज-२

की गरीब नसीके टाका सैंपमोवईया पर कीड़े बारदेन
किसी तरह का रवाह मुक्त हकीमत बगैर पापा जावे
हो उठले कुल जबाब देती- वो काफर का (1)- बारद
मनमोईया के बारसान की कामम मोफामीमान मनमोईया के है
की होना। खरीदार है रवाह बारसान की कामम मोफामीमान
खरीदार से कीड़े एलाका वो सरोकार गरी है वोन होना
की अगर शायद कोई बारदेन किसी तरह का खरीदार
की रवाह बारसान की कामम मोफामीमान की उठे
अदाल- करना पड़े रवाह मुज भा कुल सैंपमोवईया
इसल सैनिकल जावे रवाह और किली किलीम का खसारा
होना वही हालत में खरीदार मजकुर का बारसान



Date of application for
the copy.

Date fixed for issuing the requisite number of stamps and for

Date of delivery of the
requisite stamps
and folios.

Date on which the copy was ready for delivery

Date of making over
the copy to the
1961-1962

139

$$\frac{1}{2514181}$$

५१/२४६०-८९० ९८० (कोटा रीट) नं १६५/१६६-६८

[illegible]

क्र.सं.	विवरण	दिनांक	पृष्ठ सं.	पृष्ठ सं.
1	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	1	1
2	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	2	2
3	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	3	3
4	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	4	4
5	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	5	5
6	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	6	6
7	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	7	7
8	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	8	8
9	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	9	9
10	महाराष्ट्र सरकार	1/1/1950	10	10

401 MI-4012

73. 3. 62

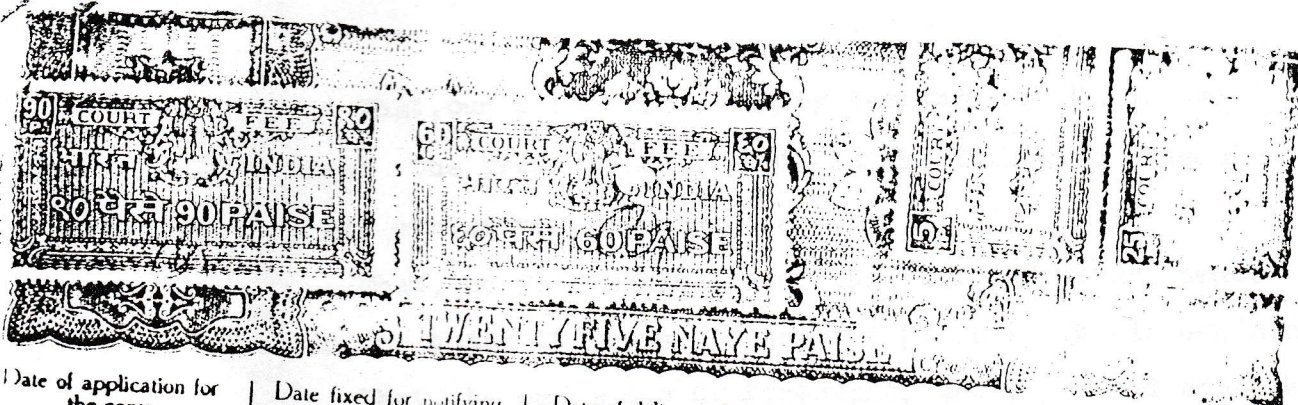
212037/15/17

422/142

(216427435)

3. 10. 1911

Mashumi Sahay



Date of application for the copy.	Date fixed for notifying the requisite number of stamps and folios.	Date of delivery of the requisite stamps and folios.	Date on which the copy was ready for delivery.	Date of making over the copy to the applicant.

नं० २१०
 २३/१२/६१ को मिलाऊ दिया जाया। (बागीर कोचुन
 पता चला कि बाबूदशगुल भाण्ड के बंधुगार कलमिडे,
 जिरफा कोपी हस्ताकल के लान लोकाग को लान बंधुगार के
 दानिडे अनुसाह रलोड मलगा मलगा को गानहरीडे
 ए०/२०/६२
 १३-३-६२
 ४०-६-०३

नं० २२
 में बंधुगार के प्रतिबंद को लानहरी डे,
 ए०/५०/६१
 १३-३-६२
 ४०/१०
 ४०/१०
 १३-३-६२

मिला
 दि०
 २-४-२१

मुलगादीन,
 मलगादीन

बमणिम मन्नी बमिलि
 मुलगादीन
 २/४/६१
 बरकार के ५३ मलगा ४०-६-०३
 १-२-६० के अनुबन्ध

Madhuri Sahay

That, our father Late Pandey Ram Chandra Sahay had acquired the property mentioned in the following Schedule from his exclusively personal earning.

That, he was in service of the State of Bihar, hence he did not think it proper to acquire property in his own name.

That, he was a man of foresight, hence he had acquired the property mentioned in the schedule in the name of his wife Smt. Draupadi Sahay, after informing the State authority and obtaining permission from the Government.

That, unfortunately our father Pandey Ram Chandra Sahay died on 23.6.64 leaving behind us, the two sons and seven daughters as his heirs.

That, the scheduled property was his self acquired property was his self acquired property, hence all his of us got equal shares in it and we got possession of 1/10th share each over the property after his death.

That, after the intervention of our well wishers and for the benefit and convenience of all the Co-sharers, the scheduled property was orally partitioned on 1st October, 1972 amongst all the ten Co-sharers which includes surviving wife and each Co-sharers came in exclusive possession on that day after oral partition.

That, no document of partition was prepared on that day.

That, a memorandum of partition is essential for future use and in avoidance of dispute of land in possession of each co-sharer which has been detailed in the map drawn according to the oral partition.

That, this memorandum of partition is being prepared to-day the 30th day of March, 1973 and each Co-sharer has put in his signature.

Madhure Sahay

VILLAGE	TAUJI NO.	KHATA NO.	Plot No.	AREA			
				B	K	D.	DH.
Shekhpura	5609	55	1432	-	10	10	-
	5609	45	1433	-	12	15	2
	do.	44	1443	1	13	5	12
	do.	54	1444	-	4	16	-
	do	43	1454 & 1864	-	13	2	8
TOTAL	-	-	-	3	14	9	2

i.e, Three bighas, fourteen Kathas, nine dhurs and two dhurkies only.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
 Annapurna Vanna
 Gursiya Raman
 Arundhati Laxi
 Madhuri Sahay
 Aradhana Gilda
 Archana Sahay
 Anjana Bahay

Pandey Anjani Kishor Singh
30/3/73

2. SCHEDULE OF LAND SHARED BY TEN CO-SHARERS.

S.No.	Name of the sharer.	Plot No.	Area.		
			Katha	Dhur	Dhurki
1.	Smt. Draupadi Sahay	1432	10	10	-
2.	Smt. Annapurna Varma.	1443	8	-	-
3.	Smt. Ansuia Ramen	1864 & 1443	8	-	-
4.	Smt. Arundhati Baxi	1864	8	-	-
5.	Smt. Aradhana Sinha	1433	8	-	-
6.	Kumari Archana Sahay	1443	8	-	-
7.	Kumari Anjana Sahay	1433 & 1443	7	-	-
8.	Kumari Anuradha Sahay	1443	8	-	-
9.	Dr. Pandey Ajay Shankar Sahay.	1454 & 1864	4	3	2
10.	Sri Pandey Anjani Kishore Sahay.	1444	4	16	-
TOTAL AREA :-			3 B.14K.	9 D.	2 DH.

Signed today, the 30th day of March, '73 by all Co-sharers or their legal

attorney.

Madhuri Sahay

1.

2.

3.

4.

5.

6.

7.

8.

Annapurna Varma
Ansuia Ramen
Arundhati Baxi
Aradhana Sinha
Anjana Sahay

Pandey Anjani Kishore Sahay